Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन की भाजपा में वापसी

बैठक

छह साल के लिए किया था निष्कासित 13 माह में ही माफी

- चैंपियन को भाजपा ने पिछले साल 18 जुलाई को पार्टी से किया था निष्कासित
- अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर भाजपा ने कड़ी कार्रवाई की थी

संवाददाता

देहरादून। पिछले साल जुलाई में भाजपा से निष्कासित खानपुर (हरिद्वार) के विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन की भाजपा में वापसी हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत ने अपने आवास पर मीडिया के समक्ष की चौंपियन की घर वापसी की घोषणा की है। आपको बता दें कि विधायक को छह साल के लिए निष्कासित किया गया था, लेकिन 13 माह में ही माफी मिल गई।

अनुशासनहीनता के आरोप में भाजपा से निष्कासित किए गए खानपुर विधायक कुंवर प्रणव सिंह चौंपियन की आखिरकार पार्टी में वापसी हो ही गई। सोमवार को उनकी पार्टी में वापसी का एलान हुआ। आपको बता दें कि लगातार विवादों में रहे विधायक कुंवर प्रणव सिंह चौंपियन को भाजपा ने पिछले साल 18 जुलाई को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

वहीं, शुक्रवार को हुई पार्टी की उच्च स्तरीय बैठक में उनके मसले पर चर्चा की गई थी। इसके अलावा विधायक देशराज कर्णवाल, पूरण सिंह फर्त्याल और महेश नेगी के मसलों पर भी विचार–विमर्श हुआ था। कर्णवाल को पार्टी ने 28 जुलाई को अनुशासनहीन आचरण के आरोप में नोटिस जारी किया था, जिसका वह जवाब दे चुके हैं। विधायक फर्त्याल हाल में एक पुल निर्माण के मामले में असंतोष जाहिर करने की वजह से सुर्खियों में रहे थे। वहीं, विधायक महेश नेगी पर एक महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

दरअसल, पिछले साल खानपुर विधायक प्रणव सिंह चैंपियन का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह एक पार्टी के दौरान शराब पीते हथियार लहराते नजर आए। वीडियो में वह उत्तराखंड को लेकर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी भी कर रहे थे। इस प्रकरण को लेकर भाजपा ने उनपर कड़ी कार्रवाई की थी।

न्यूज डायरी

मुंसयारी के ग्प्रमीण गरजे

संवाददाता पिथौरागढ़। सीमांत तहसील मुंसयारी में स्वास्थ सेवा लचर हो चुकी है। बता दें कि सीमांत तहसील मुंसयारी के सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र में लंबे समय से लैब टैक्नीशियन व स्टाफ नर्स व फार्मसिस्ट वार्ड ब्याय स्वच्छक चालक आदि के पद रिक्त चल रहे है। मुंसयारी में स्वास्थ सेवाओं के चरमराने से बीमारी हेतु इलाज के लिए आने वाले बीमार मरीजों को समस्याओं से दो चार होना पड़ रहा है। वही नाराज क्षेत्र के ग्रामीणों ने बीते दो दिन पूर्व जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौपा है। नाराज लोगों ने कलक्ट्रेट में पहुचकर नाराजगी जताने के साथ प्रदर्शन भी किया। वही जिलाधिकारी ने नाराज ग्प्रमीणों को सकरात्मक कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया है।

थरकोट में मकान की छत भरभराकर गिरने से मची अफरा तफरी

संवाददाता पिथौरागढ़। ग्प्रम पंचायत थरकोट में रविवार देर रात एक तीन मंजिले मकान की छत भरभराकर गिर गई। बता दें कि गनीमत ये रही कि मकान के नीचे सौ रहे परिवार के सातों लोगों की नींद मौके पर खुल गई। कोई बड़ी जनहानि से होने वाले नुकसान से लोग बच गये। अब पीड़ित परिवार के लोगों को एक अदद छत की दरकरार है।
मकान के मुखिया प्रताप सिह के परिवार को दूसरे गांव में शरण दी गई है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोमल मेंहता ने इसकी सूचना तत्काल जिला प्रशासन को सौंप दी है। वही देर सांय जिले से आपदा प्रबंधन की टीम गांव में निरीक्षण व नुकसान वक्षति के आंकलन के लिए गांव में पहुंची। जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोमल मेंहता ने पीडित परिवार को हर पल सहयोग देने की मांग की है।

एयरटेल अल्ट्रा–फास्ट 4जी 'सेवाओं को शुरू करने वाला पहला ऑपरेटर

संवाददाता देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चेन्नई से अंडमान और निकोबार के बीच अंडर–सी केवल के उद्घाटन पर भारती एयरटेल दूरसंचार मंत्रालय को हार्दिक बधाई देता है। इस फाइबर लिंक के चालू होने के साथ ही एयरटेल अंडमान और निकोबार में अल्ट्रा–फास्ट 4जी 'सेवाओं को शुरू करने वाला पहला मोबाइल ऑपरेटर बन गया है। एयरटेल के अल्ट्रा–फास्ट 4जी नेटवर्क की स्पीड अंडमान और निकोबार में ग्राहकों को एक विश्व स्तरीय डिजिटल अनुभव प्रदान करेगा। इस अवसर पर सुनील भारती मित्तल, चेयरमैन, भारती एयरटेल ने कहा, "इस नई फाइबर लिंक के साथ डिजिटल सेवा के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा अब अंडमान और निकोबार जैसे रणनीतिक द्वीपसमूह तक पहुंचा गया है, यह अपनी डिजिटल यात्रा में भारत का बहुत बड़ा कदम है।

रवांई के पौराणिक मेले,जागरों पर रहा कोरोना का साया

संवाददाता पुरोला। रंवाई घाटी के 182 गांव में सावण व भाद्रपद मास में हर वर्ष धूमधाम से मनाए जाने वाले मेले,जागरे,चौथ मेलों पर इस साल कोरोना डर का साया इस कदर छाया रहा कि न तो रवांई की मेहमाननवाजी की परंपरा के अनुरूप मेहमान आये न ही दूर दराज गांव में व्याही गांव की बहनें व ध्याणी ही आ पाई। दूसरी ओर अधिकांश गांव में रासों तांदी गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम मनाने व परंपरागत बार त्योहारो में पकवान बनाने का रंग भी फिका ही रहा।

जेयसाण तौक खलाडी के स्याणें सरदार सिंह रावत व शिकारनांग देवता के पुजारी स्यालिकराम नौटियाल बताते हैं कि जागरे व मेले में भीडभाड बहुत कम रही कोरोना के चलते परपंरा के अनुसार केवल डोलियों व देव चिंहों की पूजा अर्चना कर देव स्तुतियां की गई। तकरीबन बंगाण पट्टी के

सावण की जातर में न मेहमान दिखे न ही ध्याणी व बहनें.जागरों व मेले में मैंत आई

पींगल,मासमोर,कोठीगाड में भी चार महासु मंदिर मैंदरथ,हनोल,चिंवा,ठडियाड समेत देवरा,कोटगांव करण महाराज,जखोल सोमेश्वर महाराज मंदिर,रामा–कमल सिरांई पुजेली शिकारनांग ओडारू–जखंडी मंदिर,पौंटी मांभ्रद्रकाली व गैर बनाल राजा रघुनाथ मंदिर समेत182गांव में परपंरा के तहत कोरोना के डर व साये के चलते मंदिरों व देव थानों में केवल देव डोलियों–देव चिंहों की पूजा अर्चना की गई।

महासु देवता बजीर कमलेश रावत व ओडारू जखंडी के बजीर धरम सिंह नेगी,पुजारी राजाराम नौडियाल आदि का कहना है कि कोरोना संक्रमण का भय सभी लोगों में बसा है जिसके चलते जागरों व मेलों का रंग, व उत्साह भी फीका रहा है,गांव–गांव बड़ी सादगी से देव डोलियों की पूजार्चना की जा रही है।

सीएम ने की कोविंड–19 की रोकथाम एवं बेहतर उपचार हेतु समीक्षा की

संवाददाता रूद्रपुर। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिलाधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग एवं सम्बन्धित नोडल अधिकारियों के साथ कोविंड–19 संक्रमण की रोकथाम एवं बेहतर उपचार हेतु जनपदों में की गयी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कोविड–19 पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अस्पतालों में आवश्यक संसाधन बढ़ाने के साथ–साथ उन्होने टेस्टिंग बढ़ाने और सर्विलांस सिस्टम को मजबूत करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कोरोना योद्धाओं के लिए बनाये गये 'चिकित्सा सेतु' मोबाईल एप लांच किया। इस मोबाईल एप को डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्स, सुरक्षा कर्मी पुलिस तथा कोरोना ड्यूटी में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एक बेहतर एप साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेरोजगार हुए लोगो के लिये राज्य में अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं। इन योजनाओं की लोगों को पूरी जानकारी हो जिसके लिये व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जाय। उन्होने जिलाधिकारियो को सरकार की विभिन्न योजनाओं को जनप्रतिनिधियों, स्वयं सेवी संस्थाओं एवं विभागीय अधिकारियों के माध्यम से जन–जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाय।

आईटीबीपी के जवानों के हौसलें से बच पाई लस्पा की रेखा की जान

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। भारतीय तिब्बत पुलिस आईटीबीपी के जवानों को हिमवीर कहा जाता है। अपनी जान को जोखिम में डालकर सीमांत की आपदा ग्रस्त तहसीलों में राहत बचाव कार्य में ये जवान अपनी भूमिका अहम तौर पर हर समय निभाते हुए देखे जा सकते है। वही जरूरत पड़ने पर लोगों की मदद करने को भी हर संभव तैयार हो जाते है।

जानकारी के मुताबिक सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के मुंसयारी तहसील के मिलम जोहार घाटी के लस्पा गांव में एक महिला पत्थरों की चपेट में आने से बुरी तरह से घायल हो गई थी। बता

जवानों ने 15 घंटे में 40 किमी पैदल चलकर घायल महिला की बचाई जान

दें कि तमाम कोशिशों के बाद भी तीन दिन महिला का हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू तक नही किया जा सका। वही जब महिला की हालत बिगड़ने लगी तो आईटीबीपी से मदद ली गई। वही ऐसे हालातों में सीमांत में एक बार फिर आईटीबीपी के जवानों का दल मौके पर स्थानीय लोगों ग्प्रमीणों की मदद के लिए आगे आया है। आइटीबीपी के बचाव दल को करीबन 40 किमी का दुर्गम रास्ता तय करना पड़ा। जवानों ने मिलम जोहार घाटी के लस्पा गांव से स्ट्रेचर पर उफनाते नालों एवं भारी बारिश के कारण लैंड

स्लाइड जोन बन चुके क्षेत्रों से होते हुए घायल महिला रेखा देवी को अरूपताल पहुंचाकर उनकी जान बचाई।

बता दें कि सीमांत में आइटीबीपी के जवानों की इस पहल ने जवानों की इस साहसिक गतिविधियों को फिर से सीमांत के ग्प्रमीणों के लिए वास्तविक तौर पर देवदूत बनकर हौसला अफजाई उजागर करने का प्रयास किया है। वही जवानों के साथ मदद के दौरान लस्पा गांव के अन्य ग्प्रमीण भी मौजूद रहे।

श्रमिकों के हितों की रक्षा को प्रदेश सरकार प्रयासरतः मदन कौशिक

संवाददाता हरिद्वार। प्रदेश सरकार श्रमिकों के हितों की रक्षा को प्रयासरत है। कोरोना महामारी के बावजूद प्रदेश सरकार का प्रयास रहा है कि श्रमिकों को उचित सुविधाएं व संरक्षण प्राप्त हो सकें। यह विचार शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक ने अपनी समस्याओं के निदान हेतु ज्ञापन सौंपने आये विद्युत स्वयं सहायता समूह समिति के पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि विद्युत विभाग एक आवश्यक सेवा है, जिसमें विद्युत वितरण में एसएचजी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उनकी परेशानियों व समस्याओं का निदान करने का सरकार प्रयास करेगी। विद्युत स्वयं सहायता समूह समिति के संरक्षक अनिरूद्ध भाटी ने कहा कि स्वयं सहायता समूह के माध्यम से विद्युत विभाग में 54 कर्मचारी कार्यरत चले आ रहे थे। वर्तमान में उनकी संख्या 38 रह गयी है, जिसके चलते शेष कार्यरत कर्मचारियों पर कार्य भार बढ़ता जा रहा है।